तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री
न्यूनतम 24. 0 डिग्री

हरिभूमि
जांजगीर-चांपा भूमि

बिलासपुर, गुरूवार, 20 मार्च 2025

अकलतरा | बलौदा | नवागढ़ | पामगढ़ | मालखरौदा |जैजैपुर| डभरा | सक्ती

4 खेतों तक नहीं पहुंच रही नहर की धार, मुरझाने लगी हजारों एकड़ में लगी फसल

खबर संक्षेप

घर में घुसकर महिला पर जानलेवा हमला, आरोपी फरार

जांजगीर-चांपा। सक्ती जिले की चंद्रपुर थाना क्षेत्र के पेंडरूवा गांव में दिन-दहाड़े घर में घुसकर महिला पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाले अज्ञात बदमाश को चंद्रपुर पुलिस अब तक नहीं पकड़ पाई है। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 109 के तहत जुर्म किया है. घटना 3 मार्च की है लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस के गिरफ्त से बाहर है, पीड़िता द्वारा संदेही के नाम बताने के बाद भी पुलिस अब तब आरोपी को नहीं पकड़ पाई है। पीड़िता के पति गोपाल पटेल ने बताया कि संदेहियों के नाम बताने के बाद भी पुलिस ने संदेहियों से पूछताछ करके छोड़ दिया है। एसडीओपी सुमित गुप्ता ने बताया कि पेंडरूवा गांव में महिला पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया, मामले में अपराध पंजीबद्ध किया गया है और एसडीओपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई है एवं संदेहियों से पूछताछ की जा रही।

रिक्त पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 23 को

जांजगीर-चांपा। कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जांजगीर चांपा की स्थापना में सामान्य स्थापना के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3 एवं लिपिक क्लर्क (संविदा) कोर्ट मैनेजर स्टाफ के रिक्त पदों हेतु 23 मार्च को लिखित परीक्षा आयोजित किया गया है। इसके संबंध में सामान्य अनुदेश तथा पात्र अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र जारी कर कार्यालय के वेबसाईट पर परीक्षा केन्द्र के अनुसार अपलोड किया गया है।

युवती ने फांसी लगाकर दे दी जान, जांच में जुटी पुलिस

बिर्रा। युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस घटना को लेकर जांच पडताल में जुट गई है। मामला बिर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम डभराखुर्द का है। इस संबंध में बिर्रा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम डभराखुर्द निवासी युवती करिश्मा पटेल उम्र 19 वर्ष 18 मार्च मंगलवार को मध्य रात्रि में घर वालो को बाथरूम से आने की बात कहकर निकली। जब बहुत देर होने के बाद भी वापस नहीं आई। तब परिजन ढुंढने लगे । तब परिजनों को पेड़ में रस्सी से फांसी लगाई युवती दिखी। जिसकी सुचना बिर्रा पुलिस को दी गई। होली के दिन बिर्रा थाना क्षेत्र के डभराखुर्द निवासी चित्रांशु पटेल को 6- 7 लोगों ने मिलकर जान से मारने कि नियत से मारपीट कर दी। जिसका ईलाज जिला अस्पताल जांजगीर में चल रहा था। जहां हालात में सुधार नही होने पर रायपुर रेफर किया गया था। जहां निजी हास्पिटल में ईलाज के दौरान युवक कि मौत हो गई। 18 मार्च को रात्रि लगभग 9 बजे चित्रांशु पटेल के शव को रायपुर से एंबुलेंस में गांव डभराखुर्द लाया गया। घर से दूर जाकर पेड़ में रस्सी से फांसी लगाकर अपनी ईह लीला समाप्त कर ली। इस पूरे मामले को प्रेम प्रसंग से जोडकर देखा जा रहा है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीथमपुर में उमड़ा आस्था का सैलाब, शुरू हुआ 15 दिवसीय मेला

नागाओं की अगुवाई में निकली बाबा कलेश्वरनाथ की बारात

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

पुण्य सलिला हसदेव नदी के तट पर रंगपंचमी के दिन बाबा कलेश्वरनाथ की बारात निकली। चांदी की पालकी में बाबा कलेश्वरनाथ को सवार कर नागा साधुओ की जमात ने बारात निकाली। बारात में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। फिजा में रंग गुलाल उड़ाए गए और बाबा कलेश्वरनाथ के जयघोष गूंज उठे। इस दौरान देश के विभिन्न अखाड़ों से आए नागा साधुओं की टोली ने करतब दिखाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। शिव बारात के साथ ही पीथमपुर में 15 दिवसीय मेले का शुभारंभ हो गया है।

जिला मुख्यालय से लगभग 13 किमी की दूरी पर पीथमपुर स्थित बाबा कलेश्वरनाथ का प्रसिद्ध मंदिर है, जो हसदेव नदी के पावन तट पर स्थित है। बुधवार 19 मार्च को नागा साधुओं की अगुवाई में बाबा कलेश्वरनाथ की भव्य बारात चांदी की पालकी में सवार होकर निकली तो बाराती बनने के लिए लोगों का हुजुम उमड़ पड़ा। इसके अलावा हसदेव नदी के तट पर बसे पीथमपुर में 15 दिवसीय भव्य मेला का शुभारंभ रंगपंचमी के साथ शुरू हो गया। यह परंपरा सवा सौ साल से अधिक पुरानी है। चांदी की पालकी में विराजमान भगवान कलेश्वरनाथ की प्रतिमा को पालकी निकालने के पूर्व विधिवत रूप से श्रृंगार किया गया। इसके बाद नागा साधुओं की उपस्थिति में बाबा कलेश्वरनाथ की बारात निकाली गई। बारात में बिखरे बाल, नागा साधुओं की उपस्थिति, हाथ में त्रिशूल तथा चिमटा लिए नागा साधु बाबा कलेश्वरनाथ की बारात में शामिल हुए। इसके साथ पीथमपुर सहित आसपास के गांवो के लोग भी बारात में पहुंचकर इसके गवाह बने। इस वर्ष बारात में विभिन्न अखाड़ों से बड़ी संख्या में नागा साधु पहुंचे है। इधर रंगपंचमी पर पीथमपुर में निकलने वाली शिव बारात के मद्देनजर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी।

नागा साधुओं की अगुवाई में निकली कलेश्वरनाथ की बारात।

डेढ़ किलो चांदी से बनी है पालकी

बाबा कलेश्वर नाथ के मंदिर से शिव की बारात सन 1920 से निकाली जा रही है। शुरूआती दौर में लकड़ी की पालकी में बारात निकलती थी। इसके बाद 1930 के दशक में राजा दादूराम शरण सिंह के समय रानी उपमा कुमारी ने चांदी की पालकी बनवाई। मंदिर परिसर में रहते समय उन्हें किसी विद्वान ने चांदी की पालकी में शिव बारात निकालने की सलाह दी और रानी ने बनारस से डेढ़ क्विंटल चांदी की पालकी बनवाई। इसके बाद से इसी चांदी की पालकी में शिव जी की बारात निकालने की परंपरा है। इस पालकी में पंच धातु से बने शिव जी की पंचमुखी प्रतिमा भी स्थापित कर बारात निकाली जाती है।

कुंवारी कन्याओं ने पंतोरा में राहगीरों पर बरसाई लाठियां

रंगपंचमी पर मनाई गई डंगाही होली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

बलौदा ब्लाक के ग्राम पंतोरा में राधा के गांव बरसाने की झलक दिखाई पड़ी। यहां धूल पंचमी पर बुधवार 19 मार्च को लठमार होली मनाई गई। हाथ में छड़ी थामे कुंवारी कन्याओं की टोली ने आने-जाने वाले हरेक व्यक्ति पर अपनी छड़ी बरसाई।

बलौदा ब्लॉक के ग्राम पंतोरा में लठमार होली खेलने की परंपरा सालों से चली आ रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां की लठमार होली होली त्यौहार के पांचवे दिन धूलपंचमी के दिन खेली जाती है। इसी मान्यता अनुसार बुधवार 19 मार्च को पंतोरा में लठमार होली की धूम रही। इसे ग्रामीण बोल-चाल की भाषा में डंगाही होली कहते है। पंचमी की अलसुबह ग्रामीण कोरबा जिले के मड़वारानी के जंगल गए, जहां से बांस की छड़ियां लाई गई। बताया जाता है कि टांगी से एक ही बार में कटने वाली छड़ी को लाया जाता है। वे छड़ियां लेकर सीधे मंदिर पहुंचे जहां दोपहर बाद लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। खास कर गांव की 15 साल तक की कुंवारी कन्याएं पहले पंक्ति में रही। इस दौरान छड़ियों की पूजा-अर्चना हुई। तत्पश्चात गांव के बैगा ने ग्राम देवता की पूजा अर्चना की और भवानी मंदिर में 9 कन्याओं की 9 देवियों की रूप में पूजा अर्चना करके उन्हें बांस की छड़ी थमाई गई। तत्पश्चात कुंवारी कन्याओं ने ग्राम देवताओं ने 7-7 बार छड़ियां बरसाई और इसके बाद वे लोगों पर छड़ियां बरसाते बस्ती की ओर निकल पड़ी। इस दौरान सभी ने छड़ियों से मार खाकर डंगाही होली की परंपरा का निर्वहन किया गया।

लोगों पर लाठी बरसाती कुंवारी कन्याएं।

नौ कन्याओं की हुई पूजा-अर्चना

डंगाही होली मनाने के पूर्व 9 कुंवारी कन्याओं की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद कुंवारी कन्याएं लोगों पर बांस की छड़िया बरसाई। पंतोरा में मनाई जाने वाली डंगाही होली को देखने पंतोरा, खैजा, बोकरामुड़ा, पहरिया, पोंच, खिसोरा, जावलपुर, जर्वे, हरदी महामाया के अलावा पड़ोसी जिला कोरबा, बिलासपुर से लोग पहुंचे। वहीं मान्यता है कि इस कुंवारी कन्याओं द्वारा बरसाई गई छड़ी की मार से पुराना से पुराना रोग जड़ से खत्म हो जाता है।

जुआ खेलने वाले 8 जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जब्त रुपए के साथ पुलिस गिरफ्त में जुआरी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ चांपा

चांपा थाना क्षेत्र में जुआ खेलने वाले 8 जुआरियों को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 52 पत्ती तास और नगदी रकम 57 हजार 190 रुपए की जब्ती बनाई गई है।

एसपी विवेक शुक्ला दिशा निर्देशन एवं एएसपी उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन पर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जांजगीर पुलिस द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के मार्ग दर्शन में 18 मार्च को मुखबिर सूचना मिली कि थाना चांपा क्षेत्र के सिन्धी कॉलोनी के पीछे बिजली खंभा के नीचे कुछ लोग रुपए पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर निरीक्षक जय प्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चांपा के नेतृत्व में थाना चांपा टीम द्वारा रेड कार्यवाही कर 8 जुआरियों को जुआ खेलते हुए पाए जाने पर गिरफ्तार कर आरोपियों के विरुद्ध छ. ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही की गई। गिरफ्तार जुआरियों में चंद्रकांत देवांगन, योगेश यादव, रवि नागरची, अमित शर्मा, यश उर्फ योगेश वासवानी, धनराज श्रीवास, रवि यादव, रोहित सोनी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चांपा, प्रधान आरक्षक प्रकाश राठौर, वीरेंद्र टंडन, नरसिंह बर्मन, आरक्षक वीरेश सिंह, रूपनारायण बरेठ, पदम् राज सिंह, दीपक राठौर, भूपेंद्र गोस्वामी, थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

सचिवों से अभद्र व्यवहार, जिला पंचायत सीईओ से शिकायत

अकलतरा। जनपद पंचायत अकलतरा के कर्मचारियों ने लाम बंद होकर तीन पंचायत सचिवों के विरुद्ध व्हाट्सएप ग्रुप में अभद्र भाषा का प्रयोग करने एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की बात करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को ज्ञापन सौंप कर उक्त सचिवों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की गई है। कर्मचारियों ने बताया कि रसेड़ा, खिसोरा एवं एक अन्य महिला सचिव के द्वारा जनपद पंचायत अकलतरा के वाट्सएप ग्रुप में कर्मचारियों के विरूद्ध अपशब्द का प्रयोग किया जाता है। उनके मुताबिक कार्य नही करने पर वाट्सएप ग्रुप में अपशब्दो का प्रयोग किया गया है जिससे अधिकारी कर्मचारियो मानसिक रूप से प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं। ऐसी सूचना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति कल्याण थाना जांजगीर में शिकायत दर्ज कराई गई है। जिससे अधिकारी कर्मचारी जनपद पंचायत अकलतरा मानसिक रूप से परेशान हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में हजारी राठौर, अशोक राठौड़, पीपी पटेल, एलपी राठौर, अंकित तिवारी, सुयश सिंह ,तूफान जोगी ,शेख तबस्सुम, सरिका ठाकुर, पूजा सोनी, लक्ष्मी चौबे ,शत्रुघ्न निर्मलकर ,रागिनी, निधि मिश्रा, पीयूषा, अंजलि, सोनम ,राजकुमार शामिल थे।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर लगाई फरियाद

भारी वाहनों के आवाजाही पर प्रतिबंध व अवैध शराब बिक्री पर रोक की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

जनपद पंचायत अकलतरा के क्षेत्र लटिया पकरिया, कल्याणपुर के पीएमजीएसवाय सड़क पर अवैध रूप से चल रही भारी वाहनों एवं अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने एसडीम विक्रांत अंचल को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही क्षेत्रवासियों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

जनपद पंचायत सदस्य ईश्वर साहू ने बताया कि लटिया पकरिया व कल्याणपुर की मुख्य सड़क पीएमजीएसवाय के तहत अधिकतम 12 टन क्षमता की वाहन चलना है, किन्तु इस सड़क पर 20-25 टन भारी वाहन बेधड़क दौड़ रहे हैं। ये वाहन रायल्टी चोरी के साथ

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते जनपद सदस्य

साथ डीजल व टोल टैक्स बचाने के उद्देश्य से इस मार्ग से अवैध रूप से परिवहन करते हैं। इससे प्रशासन को काफी नुकसान हो रहा है। सड़क तो जर्जर हो ही गई है लोगों को भी दुर्घटना आशंका रहती है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे साईकिल व पैदल माध्यम से अकलतरा व आसपास स्कूल जाते हैं सिंगल लाईन सड़क होने के व उसपर भारी वाहन चलने से बच्चों व राहगीरों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की बाढ़ सी आ गई है इसपर कार्यवाही नहीं होने से कोचिये बेलगाम हो गये हैं और खुलेआम अवैध शराब बिक्री होटलों में बैठा कर शराब पिलाना आम बात हो गई है। लटिया पकरिया कल्याणपुर तीनों गाँव के बीच में शासकीय हाईस्कूल है, जहाँ पर अधिक रूप में अवैध शराब बिक्री होती है और स्कूल आने जाने में बच्चों को असहज महसूस होता है। तीनों गाँव के चौंक होने के कारण लोगों का जमावड़ा लगा रहता है, शराब के नशे में कभी भी स्कूली बच्चों के साथ अप्रिय घटना घटित हो सकता है। गाँव गाँव में शराब मिलने से अपराधिक घटना बड़ रही है। वाहन दुर्घटना भी बढ़ने लगी है। एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर पीएमजीएसवाय सड़क पर अवैध परिवहन एवं अवैध शराब बिक्री पर करवाई करने की मांग की गई है। जल्द कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित क्षेत्र वासियों के सहयोग से उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

खबर संक्षेप

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 26 तक

कोरबा। दीगर राज्य के शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई एवं डाईट आदि में अध्ययनरत छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक सत्र 2024-25 अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक (कक्षा 12वीं से उच्चतर) छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों के नवीन एवं नवीनीकरण पंजीयन, संस्थाओं के प्रस्ताव, स्वीकृति लॉक करने के लिए तिथि में वृद्धि की गई है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखने वाले विद्यार्थी 1 फरवरी से अपना पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण कार्यवाही वेबसाइट पर कर सकते हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बताया कि राज्य के बाहर अध्ययनरत विद्यार्थियों से 19 से 26 मार्च तक नवीन तथा नवीनीकरण के ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे, 19 मार्च से 28 मार्च तक ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक किया जाएगा, साथ ही 30 मार्च तक सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने की तिथि निर्धारित की गई है।

डीएलसीसी व डीएलआरसी की बैठक कल

कोरबा। मार्गदर्शी बैंक योजना अंतर्गत जिला स्तरीय सलाहकार समिति, जिला पुनरीक्षा समिति की बैठक 21 मार्च को आयोजित की जाएगी। यह बैठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग की अध्यक्षता में शाम 4 बजे जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। प्रबंधक मार्गदर्शी बैंक कोरबा ने बताया कि बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष की उपलब्धि पर चर्चा, पीएमईजीपी और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना पर चर्चा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन-धन योजना, एवं पशुपालकों, मत्स्य पालकों एवं उद्यानिकी हेतु किसान क्रेडिट कार्ड पर भी चर्चा की जाएगी।

नहर में तैरते हुए मिली व्यक्ति की लाश

कोरबा। उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत मड़वारानी स्थित ग्राम पुरैना के पास बहने वाले नहर में एक व्यक्ति का शव पाया गया है। मृतक कौन है और कहां का रहने वाला है इस संबंध में किसी तरह की जानहारी नहीं मिल सकी है। नहर में नहा रहे लोगों की नजर जब लाश पर पड़ी तब पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की सहायता से शव को पानी से बाहर निकाला। मृतक की शिनाख्ती को लेकर पुलिस द्वारा काफी प्रयास किया गया लेकिन सफलता नहीं मिली। जिले के सभी थाना चौकी में सूचना देने के साथ ही पड़ोसी जिलों की पुलिस को भी अवगत कराया गया है। फिलहाल लाश को जिला अस्पताल के मर्च्युरी में भिजवा दिया गया।

12वीं की राजनीति विज्ञान, रसायन शास्त्र सहित अन्य विषयों की परीक्षा सम्पन्न

कोरबा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित 12वीं बोर्ड की परीक्षा प्रारंभ हो गया है। जिले में परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों पर नियंत्रण लगाने हेतु शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय निरीक्षण दल का गठन कर परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। 18 मार्च को हायर सेकेडंरी स्कूल के राजनीति विज्ञान, रसायन शास्त्र, लेखा शास्त्र, फसल उत्पादन एवं उद्यान शास्त्र, वस्तु चित्रण एवं आलेख विषय का परीक्षा संपन्न हुआ। उक्त विषयों की परीक्षा हेतु कुल 9253 दर्ज बच्चों में से 9152 विद्यार्थी उपस्थित एवं 101 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिसमें राजनीति विज्ञान विषय में 3179 दर्ज बच्चों में 3124 उपस्थित व 55 अनुपस्थित, रसायन शास्त्र विषय में 3772 दर्ज बच्चों में उपस्थित 3743 व 29 अनुपस्थित, लेखा शास्त्र विषय में 2119 दर्ज बच्चों में उपस्थित 2105 व 14 अनुपस्थित, फसल उत्पादन एवं उद्यान शास्त्र विषय में 179 दर्ज बच्चों में से 176 उपस्थित व 3 अनुपस्थित, वस्तु चित्रण एवं आलेख विषय में दर्ज एवं उपस्थित बच्चों की संख्या 4 रही। उक्त परीक्षा हेतु गठित जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। जिसके अंतर्गत दल क्रमांक 1 द्वारा शा.उ.मा.वि. चैतमा, शा.उ.मा.वि. माखनपुर, सेजेस पाली, शा.उ.मा.वि. बालक पाली का, दल क्रमांक 2 शा.उ.मा.वि. गोढ़ी, शा.उ.मा.वि. भैसमा, शा.उ.मा.वि. तिलकेजा, शा.उ.मा.वि. फत्तेगंज, शा.उ.मा.वि. बोतली, शा.उ.मा.वि. बेहरचुंआ, शा.उ.मा.वि. तुमान का, दल क्र. 3 शा.उ.मा.वि. मदनपुर, शा.उ.मा.वि. श्यांग कुल 13 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

निर्माण के एक महीने बाद ही भरभराकर ढह गया स्लैब

कोरबा। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में बनाए जा रहे नाले का निर्माण कार्य सवालों के घेरे में आ गया है। बताया जा रहा हैं की टी.पी. नगर क्षेत्र में लगभग एक माह पूर्व डाले गए स्लैब में से एक स्लैब भरभराकर टूट गया, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर स्थानीय नागरिकों ने कड़ी आपत्ति जताई है। यह स्लैब चुनाव कार्यालय के पास स्थित था। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्लैब पर किसी ने बाइक या कोई अन्य वाहन चढ़ा दिया, जिससे वह भार सहन नहीं कर पाया और टूटकर गिर गया। इस दौरान स्लैब के भीतर मौजूद सरिए भी मुड़ गए, जबकि सीमेंट, गिट्टी और रेत सड़क पर बिखर गए।

जल विहार...

कोरबा। सतरेंगा पर्यटन स्थल में जल भराव का विहंगम दृश्य। (फोटो : गुलशन बैरागी)

कोल मंत्रालय ने नए वित्तीय वर्ष के लिए कोल इंडिया व अनुषंगी कंपनी का उत्पादन लक्ष्य किया तय

कोल इंडिया को 863 तो एसईसीएल को 208 मिलियन टन का मिला उत्पादन लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोयला मंत्रालय ने नये वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कोल इंडिया का उत्पादन लक्ष्य तय कर दिया है। कंपनी को 863 मिलियन टन कोयला उत्पादन करना होगा। वहीं दूसरी ओर एसईसीएल को नये वित्तीय वर्ष के लिए 208 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। हालांकि कंपनी वित्तीय वर्ष में उत्पादन लक्ष्य से पीछे चल रही है।

कोल मंत्रालय ने नये वित्तीय वर्ष में कोल इंडिया को 895 मिलियन टन कोयला डिस्पैच और 2100 मिलियन क्यूबिक मीटर ओवर बर्डन (ओबी) निकासी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बात करें एसईसीएल की तो नये वित्तीय वर्ष में कंपनी को 208 मिलियन टन सालाना कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया है। वहीं 220 मिलियन टन कोयला डिस्पैच और 360 मिलियन क्यूबिक मीटर ओवर बर्डन (ओबी) निकासी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बात करें झारखंड स्थित कोल इंडिया की 3 अनुषंगी कंपनियों की तो बीसीसीएल को 46 मिलियन टन, इसीएल को 58 मिलियन टन और सीसीएल को 105 मिलियन टन कोयला उत्पादन का टारगेट मिला है। तीनों कंपनियों को क्रमशः 47 मिलियन टन, 59 मिलियन टन और 108 मिलियन टन कोयला डिस्पैच का लक्ष्य दिया गया है। ओबी निकासी का लक्ष्य क्रमशः 175 मिलियन क्यूबिक मीटर, 158 मिलियन क्यूबिक मीटर और 157 क्यूबिक मीटर रखा गया है।

फाइल फोटो

समीक्षा बैठक के बाद तय हुआ लक्ष्य

चालू वित्त वर्ष 2024-25 में कोल इंडिया का लक्ष्य 838.24 मिलियन टन उत्पादन और 838.20 मिलियन टन कोयला डिस्पैच है। इसके मुकाबले कोल कंपनियां अप्रैल से फरवरी तक करीब 695.27 मिलियन टन उत्पादन और 694.05 मिलियन टन कोयला डिस्पैच कर सकी हैं। चालू वित्त वर्ष की लक्ष्य प्राप्ति और नये वित्त वर्ष के रोडमैप को लेकर कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने इस महीने के प्रथम सप्ताह में कोल इंडिया और अनुषंगी कंपनियों के आला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी। इसमें लक्ष्य के मुताबिक, उत्पादन और डिस्पैच सुनिश्चित करने और नये वित्त वर्ष के लक्ष्य के लिए अभी से तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया।

कंपनीवार कोल उत्पादन डिस्पैच ओबी के लक्ष्य पर एक नजर

कंपनी	उत्पादन	डिस्पैच	ओबी
एमसीएल	237.00	250.0	360.0
एसइसीएल	208.00	220.0	360.0
बीसीसीएल	46.00	47.0	175.0
इसीएल	58.00	59.0	158.0
सीसीएल	105.00	108.0	157.0
एनसीएल	140.00	141.0	500.0
डब्ल्यूसीएल	69.00	70.0	390.0
कोल इंडिया	863.00	895.00	2100.00

(नोट : उत्पादन डिस्पैच का लक्ष्य मिलियन टन व ओबी का मिलियन क्यूबिक मीटर में)

डब्ल्यूसीएल के उत्पादन लक्ष्य में कोई वृद्धि नहीं

वित्त वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 के लक्ष्य पर गौर करें, तो कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया के उत्पादन लक्ष्य में करीब 24.76 मिलियन टन की वृद्धि की है। डिस्पैच लक्ष्य में करीब 56.8 मिलियन टन की बढ़ोतरी की गयी है। एमसीएल के उत्पादन लक्ष्य में 12 मिलियन टन, बीसीसीएल को 1 मिलियन टन, इसीएल को 4 मिलियन टन, सीसीएल को 5 मिलियन टन और एनसीएल के लिए करीब 1 मिलियन टन की वृद्धि की गयी है। डब्ल्यूसीएल के उत्पादन लक्ष्य में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।

स्वामी विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान अब शैक्षिक सुविधाओं से होगा सुसज्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिला खनिज न्यास संस्थान मद से निर्मित स्वामी विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान परिसर अब विविध शैक्षणिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा तथा छात्र-छात्राओं को एक ही छत के नीचे पठन-पाठन व शैक्षणिक कार्यों से जुड़ी विविध सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी के द्वारा कार्यवाही करते हुए उक्त शैक्षणिक संस्थान के संचालन की जिम्मेदारी सांई एजुकेशनल सोसायटी को सौंपी गई है। जिसका शीघ्र संचालन प्रारंभ किया जाएगा। कोसाबाड़ी-रिसदी मुख्य मार्ग पर जिला खनिज न्यास संस्थान मद से 6 करोड़ 21 लाख रूपये की लागत से स्वामी विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान परिसर का निर्माण नगर निगम द्वारा कराया गया था तथा वर्ष अप्रैल 2023 में उक्त परिसर का निर्माण कार्य पूरा हुआ था, निर्माण पश्चात उक्त भवन एवं परिसर को निगम द्वारा जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी को हैण्डओव्हर किया गया था। परिसर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात लगभग 2 वर्षों से उसके संचालन के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा अनेक बार प्रयास किए गए, किन्तु सफलता नहीं मिली थी, कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन तथा निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में स्वामी विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान परिसर के संचालन हेतु निविदा प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर सांई एजुकेशनल इंस्टीट्यूट सोसायटी को 3 लाख रूपये प्रतिमाह के किराए पर उक्त सम्पूर्ण परिसर का आबंटन करते हुए उसके संचालन की जवाबदारी दी गई है।

खास बात

- छात्र छात्राओं को पठन पाठन व शैक्षणिक कार्यों से जुड़ी विविध सुविधाएं

प्राइमरी स्कूल में फर्नीचर की समस्या जमीन में बैठकर परीक्षा देने छात्र मजबूर

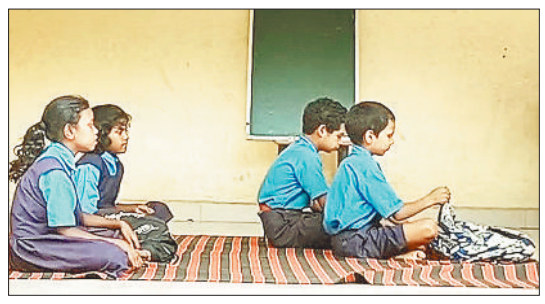

डीएमएफ से खेल सामग्री पहुंची लेकिन फर्नीचर नहीं

स्कूलों के निरीक्षण में विभागीय अधिकारी कभी कभार ही पहुंचते हैं यही कारण है कि बच्चे किस स्थिति में पढ़ाई कर रहे हैं इसकी वास्तविक स्थिति सामने तब आती है जब विभागीय बैठक होती है। जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से स्कूलों में फर्नीचर के उपलब्धता की रिपोर्ट ली जाती है। आश्चर्य की बात है कि प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में डीएमएफ से खेल सामग्री तो पहुंच गई है किंतु फर्नीचर जैसी मूलभूत सुविधा आज तक नहीं पहुंची है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में चल रही बोर्ड परीक्षाओं के दौरान ग्रामीण अंचल के स्कूलों में फर्नीचर की समस्या होने के कारण छात्रों को जमीन में बैठकर परीक्षा देने की मजबूरी बनी हुई है। शहर के सभी स्कूलों में जहां फर्नीचर उपलब्ध हैं वहीं ग्रामीण अंचल के स्कूलों को अभी भी फर्नीचर के लिए मोहताज होना पड़ रहा है। जिले के पांच विकासखंड अंतर्गत प्राइमरी और मिडिल स्कूलों की संख्या 1994 है। इनमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति पाली और पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड की है। जहां के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित प्राइमरी और मिडिल स्कूल में अभी भी फर्नीचर की समस्या बनी हुई है। दोनों विकासखंड में 50 प्रतिशत प्राइमरी स्कूलों में फर्नीचर नहीं है। टाट पट्टी में बैठकर बच्चे सालभर पढ़ाई करते हैं और परीक्षा देते हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा लिए जाने के नए प्रावधान के अंतर्गत सभी स्कूलों को केंद्र बनाया गया है किंतु फर्नीचर के मामले में अभी भी स्कूलों को मोहताजी बनी हुई है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि शायद ही ऐसा कोई विकासखंड होगा जहां 15 से 20 स्कूलों में फर्नीचर नहीं है। किंतु पाली और पोड़ी विकासखंड की स्थिति कोरबा और करतला जैसे ग्रामीण विकासखंड की तुलना में ज्यादा खराब बताई गई है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी भी इस बात को स्वीकारते हैं कि उनके ही ब्लॉक में ऐसे हैं जहां प्राइमरी स्कूल के बच्चों को जमीन में बैठकर परीक्षा देना पड़ रहा है।

भाजपा के आपसी विवाद की जांच करने पहुंची टीम

कोरबा। नगर निगम में सभापति चुनाव के लेकर भाजपा नेताओं के बीच चल रहे घमासान की जांच करने के लिए गठित टीम के सदस्य कोरबा प्रवास पर पहुंच। पार्टी कार्यालय दीनदयाल कुंज में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक रजनीश सिंह एवं श्रीनिवास ने जिले के भाजपा नेताओं और सभी पार्षदों से चर्चा कर जानकारी जुटाई। नगर निगम में सभापति चुनाव में अधिकृत प्रत्याशी की हार की वजह जानने के लिए बीजेपी की तीन सदस्यीय जांच टीम मंगलवार को शहर में पहुंच गई है। टीम टीपी नगर स्थित भाजपा कार्यालय में सभी भाजपा पार्षदों से सभापति चयन को लेकर चर्चा की और सभापति के लिए भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी हितानंद अग्रवाल के खिलाफ बगावत को लेकर जानकारी जुटाई। है। सूत्रों की मानें तो भाजपा कार्यालय में टीम के सदस्य पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक रजनीश सिंह और श्रीनिवास ने जिले के भाजपा नेताओं से बैठक कर चर्चा की।

कार्यालय ग्राम पंचायत घोघरी जनपद पंचायत मालखरौदा जिला सक्ती (छ.ग.)

द्वितीय नीलामी सूचना

क्र/G/02/बा.नी./ग्रा.प./2025-26. दिनांक 18/03/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद पंचायत मालखरौदा के अधीनस्थ ग्राम पंचायत घोघरी के प्रस्ताव क्रमांक 2 दिनांक 18/03/2025 के अनुसार घोघरी मवेशी बाजार की नीलामी वर्ष 2025 (13अप्रैल से 31 मार्च 2026 तक) के लिए जनपद पंचायत मालखरौदा के ग्राम पंचायत घोघरी के सभागार में दिनांक 22/03/2025 समय दोपहर 2:00 बजे से होगी जो व्यक्ति बोली में भाग लेना चाहते है, नीचे दर्शायी गई अमानत राशि जमा कर भाग ले सकते है, जिस किसी व्यक्ति के नाम पर नीलामी खत्म होगी उनकी जमा की गई अमानत राशि जमा लेकर अंतिम किस्त में समायोजित कर दे जावेगी। बोली का 75%राशि तत्काल जमा करना होगा जमा नहीं करने पर अमानत राशि जप्त कर ली जावेगी तथा शेष राशि 30 दिन के अंदर जमा करना होगा जमा नहीं करने पर ठेका स्वयं समाप्त मानी जावेगी। इसका अलग से सूचना ठेकेदार को नहीं दिया जायेगा। मवेशी बाजार के लिए एक लाख रुपया 100000/ नगद व एक लाख की सात्वेंसी जमा कर ठेकेदार नीलामी में भाग ले सकता है पुराना सात्वेंसी मान्य नहीं होगा सॉत्वेंसी नहीं होने पर सॉत्वेंसी की जगह 1 लाख नगद जमा कर बोली में भाग ले सकता है अर्थात कुल 2 लाख (नगद एवं सॉत्वेंसी मिलकर) आम बाजार में अमानत राशि 50000/ रु जमा कर नीलामी में भाग ले सकता है। नोट : अन्य नियम व शर्ते ग्राम पंचायत कार्यालय समय मे देखा जा सकता है

ईश्तहार

क्रमांक / / तह./वा./25
पामगढ़, दिनांक 07/03/2025
रा.प्र.क्र. 202503063100040/ब-121
ग्राम - डोंगाकोहरौद प.ह.नं.

एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता आवेदक ओम प्रकाश साहू पिता छेडूराम साहू जाति तेली निवासी ग्राम डोंगाकोहरौद थाना पामगढ़ तहसील पामगढ़ जिला जांजगीर चांपा छ.ग. ने आवेदन पत्र एवं शपथ पत्र पेश कर निवेंदन किया है की अपने माता जगनथिन बाई पति छेडूराम का मृत्यु दिनांक 02/08/2015 को ग्राम डोंगाकोहरौद पर हुआ है जिसका भूलवश पंजीयन ग्राम डोंगाकोहरौद में नही करा पाने के कारण मृत्यु पंजीयन दर्ज कर प्रमाण पत्र का मांग किया है जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधिन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 22/03/2025 को दावा आपत्ति पेश कर सकते है।

आज दिनांक 07/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालक दण्डाधिकारी
जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

TOP IN JANJGIR

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
शिशु एवं बाल्यरोग विभाग — 24x7 इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
• न्यूमोनिया, पायोथोरेक्स, सेप्टिक शॉक, उल्टी दस्त के साथ बच्चे का सुस्त हो जाना,
• तेज बुखार के साथ झटका आना, ए. आर. डी. एस. बच्चे को लगातार झटके आना,
• पीलिया, जन्म के समय गन्दा पानी पीना व सॉस न लेना, हाइपरटेंशन, लीवर फैलियर,
• डाइबिटिक कीटो एसिडोसिस, अस्थमा, बच्चों का बार बार बीमार पड़ना, इमरजेंसी सुविधाएं,
• गहन एवं गंभीर रूप से पीड़ित सभी बच्चों का इलाज हेतु एन.आई.सी.यु., पी.आई.सी.यू. की सुविधा,
• क्रिटिकल केयर विभाग, सभी तरह की आपातकालीन सुविधाएं,
• आकस्मिक दुर्घटना, सर की चोट, जहर खुरानी, माइग्रेन का इलाज, बिच्छू एवं सर्प दंश का इलाज,
• हृदयघात, छाती में भारीपन / दबाव/ असुविधा या दर्द, गंभीर संक्रमण, सॉस फूलना, मलेरिया डेंगू,
• तेज धड़कन, लकवा / पैरालिसिस, अचानक चक्कर आना, गंभीर संक्रमण आदि,
डॉ. दिलीप जैन M.B.B.S, D.N.B, I.D.P.C.C.M बाल्य गहन एवं क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट बिलासपुर संभाग के प्रथम एवं एकमात्र बाल्य गहन चिकित्सा विशेषज्ञ
पता:- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
यूरोलॉजी विभाग (मूत्र एवं किडनी रोग)
• किडनी, मूत्रनली एवं पेशाब के थैली में पथरी (PCNL, URSL, SPCL, PCCL, RIRS)
• गुर्दा एवं पेशाब की थैली का कैंसर, प्रोस्टेट का बढ़ जाना (TURP),
• पेशाब का बार बार आना व कन्ट्रोल न होना, • पेशाब में खून व मवाद आना व जलन होना,
• पेशाब में रूकावट व जलन, • महिलाओं में खांसने व छींकने से पेशाब लिक होना,
• किडनी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, • पेशाब की नली में सिकुड़न व पतली धार होना,
• पुरुष नपुंसकता व बॉझपन, ए.वी. फिस्टुला ऑपरेशन (डायलिसिस हेतु)
• अत्याधुनिक दूरबीन, लेजर से पथरी व प्रोस्टेट का ऑपरेशन (बिना चिर फाड़ के)
• कैंसर (गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली व टेस्टिस के कैंसर का ऑपरेशन,
सुविधाएं: दूरबीन पद्धति से मूत्ररोग के सभी बिमारियों का ईलाज एवं ऑपरेशन
डॉ. प्रदीप जैन M.B.B.S, M.S, MCh Urology (Mumbai) Urologist, Andrologist & Renal Transplant Surgeon — जिले के प्रथम एवं एकमात्र यूरोलॉजिस्ट
पता:- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
दंत रोग विभाग
• दांतों से सम्बंधित सभी प्रकार के समस्याओं का इलाज
• दाँतों की नसों का ईलाज (Root Canal Treatment - RCT), दर्द रहित दांत निकालना,
• टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों एवं जबड़ों का ईलाज (BRACES),
• हड्डी में फिक्स होने वाली बत्तीसी (IMPLANT), निकालने लगाने वाली बत्तीसी(DENTURES),
• आधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई, कृत्रिम दाँत लगाना, लेजर द्वारा दाँतों में मसाला भरना,
• मुँह न खुलने व कम खुलने का ईलाज, मुँह के छालों का ईलाज (OSMF)
• दाँतों का एक्स-रे, दाँतों की ब्लीचिंग एवं व्हाइटनिंग,
• मुँह व दाँत सम्बंधित अन्य सभी बिमारियों का ईलाज, बच्चों के दंतरोगों का समूर्ण ईलाज
डॉ. सुमिता जैन B.D.S, M.D.S-Orthodontics & Dentofacial Orthopedics (GOLD MEDALIST), M.R.H दन्त एवं मुख रोग विशेषज्ञ — जिले की प्रथम एवं एकमात्र ऑर्थोडोंटिस्ट
पता:- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
• लेप्रोस्कोपी विधि द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन, 24 घंटे नॉर्मल डिलीवरी और सीजीरियन डिलीवरी,
• बार बार गर्भपात होने का इलाज, बच्चेदानी की बंद ट्यूब को खोलना,
• बच्चेदानी की सफाई, मासिक सम्बन्धी बिमारियों का ईलाज,
• नसबंदी, युरिनरी समस्याएं, अनियंत्रित रक्त रिसाव, असमान्यतौर पर अचानक से रक्त का बहाव बढ़ जाना,
• बहुत ज्यादा पसीना आना, स्तन में गठान, गर्भावस्था की सम्पूर्ण जाँच,
• परिवार नियोजन सम्बन्धी सुविधाएँ, PCOD का ईलाज, सफ़ेद पानी (ल्यूकोरिया) का ईलाज,
• बच्चेदानी थैली, ओवरी के कैंसर व गठान का ईलाज,
• अन्य महिलाओं सम्बंधित बिमारियों का ईलाज एवं ऑपरेशन,
24/7 EMERGENCY SERVICES
सुविधाएं: सोनोग्राफी की सुविधा प्रसवपूर्व जाँच एवं परामर्श
पता:- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
जनरल सर्जरी, हड्डी रोग एवं ट्रॉमा विभाग
• पेट से सम्बंधित सारी बिमारियों का इलाज, आपेंडेक्टमी, गैलब्लैडर ऑपरेशन, हाइड्रोसील, बवासीर (पाइल्स),
• फिस्टुला, फिसर, आंतो की रुकावट, हार्निया ऑपरेशन, आंत-गुदा सम्बंधी ऑपरेशन,
• आंतो का फटना, वर्सेक्टमी, पुरुष एवं महिला नसबंदी, हेमोरोइड्स सर्जरी, थायरॉइड सर्जरी,
• सरकम सीजर (खतना), ब्रेस्ट (स्तन) कैंसर, पेट एवं मुँह के कैंसर रोग सर्जरी, पित्त की थैली (गॉलब्लेडर) की
• पथरी का ऑपरेशन, बच्चों के समस्त ऑपरेशन
• एक्सीडेंटल व ट्रॉमा का ईलाज, घुटने और कूल्हे की सर्जरी व प्रत्यारोपण,
• हड्डी टूटने के सर्जरी, पैर और पैर की उँगलियों की सर्जरी, सल्य विधि से स्कोलियोसिस का सर्जरी,
• शोल्डर और बाजु की सर्जरी, कमर दर्द एवं साइटिका, ऑर्थराइटिस,
• गठिया, हड्डी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, बच्चों के समस्त हड्डी रोग का इलाज,
सुविधाएं: मॉडुलर ऑपरेशन थियेटर, सर्जिकल आई.सी.यू., आई.सी.यू., मेल- फीमेल वार्ड, वातानुकूलित प्राइवेट एवं सेमी प्राइवेट रुम आदि.
15 किलोमीटर तक एम्बुलेंस सुविधा मुफ्त भर्ती मरीज हेतु
सी.एस.ई.बी. कर्मचारियों व अन्य इंश्योरेंस कंपनियों से कैशलेस सुविधा
सोनोग्राफी, एक्स-रे, सी- आर्म, पैथोलेब, फार्मेसी, ई.सी.जी. ई. ई.जी. इम्पाइरोमेट्री एम्बुलेंस सुविधाएँ.
पता:- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

19-Mar- JAS-KORIYA-RAG- JANJ- Bhoomi pg-3_Layout 1 3/19/2025 7:54 PM Page 1

'सिकंदर' का नया गाना रिलीज

मुंबई। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' का गाना 'नाचे सिकंदर' रिलीज हो गया है। गाने ने आते ही फैंस के बीच हंगामा मचाना शुरू कर दिया है। हाल ही में इसका टीजर जारी किया गया था, जिसकी वजह से प्रशंसक पहले से ही काफी ज्यादा उत्साहित थे। इस गाने में सलमान अपने खास अंदाज और जोरदार डांस मूव्स के साथ स्क्रीन पर छा गए हैं। रश्मिका मंदाना ने अपनी खूबसूरती और बेहतरीन डांस से उनका भरपूर साथ दिया है। गाने के हुक स्टेप्स मशहूर 'डबके' डांस से प्रेरित हैं।शानदार सेट्स और तुर्की के मशहूर डांसर्स की मौजूदगी ने इसे गाने में चार चांद लगा दिए हैं। कोरियोग्राफर अहमद खान ने इसमें तुर्की स्टाइल जैसा फील डाला है, जिसकी वजह से गाना और भी ज्यादा खास बन गया है। गाने का म्यूजिक जैम8 ने तैयार किया है। समीर ने इसके बोल लिखे हैं।

लाइफ Style

समीरा

जिम और डाइट से हासिल की फिटनेस

एजेंसी ▶▶ मुंबई

समीरा रेड्डी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट यहां शेयर करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी फिटनेस यात्रा के बारे में फैंस को बताया। साथ ही यह खुलासा भी किया कि उनका वजन बहुत ज्यादा कम नहीं हुआ है, बल्कि उनके इंचेज कम हुए हैं।

समीरा रेड्डी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया। इसमें अपनी फिटनेस को लेकर खुशी जताती नजर आईं। समीरा रेड्डी पर्पल ट्राउजर और व्हाइट टॉप में नजर आ रही हैं, जिसके साथ व्हाइट ब्लेजर कैरी किया है। समीरा रेड्डी ने बताया कि उन्होंने जिम, कार्डियो और डाइट के जरिए यह फिटनेस हासिल की है। वे अब काफी फिट और मजबूत महसूस कर रही हैं। समीरा रेड्डी ने अपने पोस्ट में बताया कि आखिरकार कपड़े फिट आने लगे हैं। हालांकि, इस फिटनेस यात्रा में उनके वजन में बहुत ज्यादा अंतर नहीं आया है। उनका वजन 90 किलो से 88 किलो हो गया है। यानी सिर्फ दो किलो का अंतर आया है। लेकिन, उनके इंच घटे हैं। समीरा रेड्डी ने पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'किलो नहीं, इंच कम हुए हैं। 'जिम, डाइट और कार्डियो से वजन में ज्यादा बदलाव नहीं आया है, लेकिन इंच में जरूर बदलाव आया है, जो कि मैं चाहती हूं। हालांकि, मैं 90 किलो से 88 किलो पर आ गई हूं। मेरी मसल्स बढ़ी हैं। मैं अब ज्यादा मजबूत महसूस करती हूं। स्टेमिना बढ़ गया है और कपड़े भी अब फिट आ रहे हैं'। समीरा ने आगे लिखा, 'छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाना इस फिटनेस यात्रा में उत्साह और जोश बनाए रखने का सबसे बढ़िया तरीका है'।

हॉलीवुड मसाला

गला घोंटने की बात स्वीकारी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जोनाथन मेजर्स को अपनी पूर्व प्रेमिका ग्रेस जब्बारी को परेशान करने के मामले में दोषी पाया गया था। अब इस मामले में इन दोनों के बीच के झगड़े का एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आया है, जिसमें अभिनेता उन्हें उत्पीड़न करने और गला घोंटने की बात स्वीकार कर रहे हैं। यह ऑडियो सितंबर 2022 का बताया जा रहा है। इसमें जब्बारी ने अभिनेता जोनाथन से बात करते हुए अपने ऊपर किए हमले को लेकर सवाल किया है।

अगले साल का ऑस्कर भी होस्ट करेंगे कॉनन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्म एकेडमी की तरफ से बताया गया कि अगले साल यानी 2026 में होने वाले ऑस्कर अवॉर्ड के होस्ट फिर से कॉनन ओ'ब्रायन ही होंगे। यह अवॉर्ड अगले साल 15 मार्च को होगा। 98वें ऑस्कर अवॉर्ड का होस्ट बनकर कॉनन ओ'ब्रायन भी काफी खुश हैं। कॉनन ओ'ब्रायन कहते हैं, 'अगले साल ऑस्कर को होस्ट करने का एक अकेला कारण यह है कि मैं एड्रियन ब्रॉडी को उनकी स्पीच खत्म करते हुए सुनना चाहता हूं।' इस अवॉर्ड के ब्रॉडकास्टर एबीसी के अनुसार भी मार्च महीने की शुरुआत में 97वें ऑस्कर अवॉर्ड को लगभग 19.7 मिलियन दर्शकों ने देखा। यह 2025 का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला प्राइम टाइम एंटरटेनमेंट शो भी था। इस बार के ऑस्कर अवॉर्ड में कॉनन की होस्टिंग की, कॉमेडी की काफी तारीफ हुई।

तापसी ने कहा -मेरे लिए कुछ भी नहीं बदला

मुंबई। कुछ दिनों पहले अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने यह दावा किया था कि फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें नजरअंदाज किया गया था। कीर्ति कुल्हारी के इस दावे पर अब फिल्म 'पिंक'की मुख्य अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कीर्ति के साथ अपने रिश्तों पर तापसी ने कहा, 'उसने हमारे रिश्ते या स्थिति को एक निश्चित तरीके से देखा, इसलिए शायद उसने मुझसे दूरी महसूस की। मैंने हमेशा उसके साथ पेशेवर रवैया अपनाया और अब भी रखती हूं। मैंने उसके साथ मिशन मंगल में भी काम किया है और मुझे नहीं लगता कि पेशेवर तौर पर मेरे लिए कुछ बदला है, क्योंकि जहां से मैंने देखा, मुझे कोई असमानता नहीं दिखी। इसलिए, मेरे लिए, यह वही लड़की थी जिसके साथ मैंने पिंक में काम किया था।

करण ने किया खुशी व इब्राहिम का बचाव

मुंबई। सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने इस महीने फिल्म 'नादानियां' से डेब्यू किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है, जिसमें इब्राहिम के साथ खुशी कपूर नजर आई हैं। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली है, उल्टा आलोचनाएं हो रही हैं। इब्राहिम और खुशी को भी ट्रोल किया जा रहा है। खुशी और इब्राहिम की ट्रोलिंग पर अब तक कई सेलेब्स उनका बचाव कर चुके हैं। अब हाल ही में करण जौहर ने दोनों सितारों का बचाव किया है। यहां उनसे 'नादानियां' को मिल रहे नेगेटिव रिव्यूज पर सवाल किया गया। करण जौहर ने 'नादानियां' की आलोचना पर कहा, 'मैं बस ये ही कहूंगा, एक पुरानी फिल्म का अल्फाज है कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना...छोड़ो बेकार की बातें, बीत न जाए रैना'।

टीवी मसाला

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में आने वाले हैं कई ट्विस्ट

नई दिल्ली। टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कहानी में फिर एक बार 5 महीने का लीप आने की खबर है। जानकारी के मुताबिक मेकर्स शो में कुछ बड़े ट्विस्ट लाने जा रहे हैं ताकि यह टीआरपी ग्राफ पर फिर नई छलांग लगा सके। अरमान और अभिरा आईवीएफ के जरिए अपने परिवार की नई शुरुआत करना चाहते थे लेकिन बार-बार कंसीव करने की उनकी कोशिश नाकाम रहेगी। दोनों आईवीएफ ट्रीटमेंट ट्राय करेंगे लेकिन यह भी फेल हो जाएगा। डॉक्टर दोनों को सरोगेसी की सलाह देगी लेकिन अरमान इस पर राजी नहीं होगी। अभिरा बार-बार उसे समझाने की कोशिश करेगी लेकिन अरमान नहीं चाहता कि अभिरा के अलावा कोई और उसके बच्चे की मां बने। अभिरा अपने पति अरमान को राजी करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह अरमान को बताएगी कि वह अब मां बनना चाहती है और इसके लिए कुछ भी करने को तैयार है। आखिरकार अरमान को अपनी पत्नी के आगे झुकना होगा। दोनों सरोगेट मदर की तलाश शुरू करेंगे और आखिरकार उन्हें एक लड़की इसके लिए मिल जाएगी। यह लड़की कोई और नहीं, बल्कि रोहित की पत्नी रूही होगी। दोनों इसी लड़की के साथ अपने ट्रीटमेंट को आगे बढ़ाने का फैसला लेंगे। रोहित भी इसके लिए राजी हो जाएगा और अरमान-अभिरा के दर्द और उनकी जरूरत को समझेगा कि दोनों अभी किस तकलीफ से गुजर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कहानी में 5 महीने का लीप आएगा और कहानी आगे बढ़ जाएगी।

सामने आएगा वसुंधरा का काला सच फूटेगा अनुपमा के गुस्से का ज्वालामुखी

नई दिल्ली। टीवी सीरियल अनुपमा का नया प्रोमो वीडियो जारी कर दिया गया है। अनुपमा की बेटी राही का एडमिशन इंटरव्यू लेटर जला देने के बाद मोटी बा ऐसी अनजान बनी बैठी है, जैसे उन्हें कुछ पता ही नहीं हो। होली पार्टी के दौरान प्रेम को मैसेज के जरिए इंस्टीट्यूट से यह पता चलेगा कि उन्हें लेटर भेजा गया था और इसे किसी ने उनके यहां से रिसीव भी किया था। इंस्टीट्यूट बताएगा कि उनका एडमिशन कैंसिल कर दिया गया है क्योंकि वो दोनों इंटरव्यू के लिए नहीं पहुंचे थे। मोटी बा यह सब देख रही होगी लेकिन चुपचाप बैठी रहेगी। लेकिन वहीं पर मौजूद अनुपमा वसुंधरा कोठारी के हावभाव पढ़ लेगी। मोटी बा की कही पुरानी बातों को उसके वर्तमान हावभावों से जोड़कर देखते हुए अनुपमा समझ जाएगी कि हो ना हो, वसुंधरा कोठारी इस मामले में कुछ ना कुछ तो जरूर जानती हैं। क्योंकि अनुपमा खुद भी अपनी सास की ऐसी हरकतें देख चुकी है, इसलिए भी उसे मोटी बा पर शक होगा।

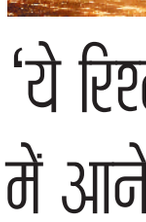

रेखा के काफी नखरे थे, अमिताभ के साथ नहीं थे अच्छे संबंध...

नई दिल्ली। रेखा हिंदी सिनेमा की सबसे बेहतरीन और खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह अपने समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में से थीं और यही वजह है कि हर डायरेक्टर उन्हें अपनी फिल्म में लेना चाहता था। अब रेखा को लेकर इंडियन सिनेमा का पॉपुलर विलेन रंजीत ने कुछ बातें बताई हैं। उन्होंने बताया कि कैसे एक बार उन्होंने रेखा को अपनी फिल्म के लिए साइन किया था, लेकिन फिर उन्होंने एक्ट्रेस से साइनिंग अमाउंट वापस मांगा। ऐसा क्यों हुआ आगे बताते हैं।

रेखा को किया साइन : रंजीत ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक समय ऐसा था जब वह परेशान हो गए थे उन रोल को लेकर जो उन्हें ऑफर किए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैंने एक दशक तक फिल्में साइन नहीं की। मैं परेशान हो गया था, इसलिए मैंने अपनी फिल्में बनाने का सोचा। मैं एक्टर्स को पैसे देते थे उनके काम के बाद, लेकिन कुछ मुझसे नहीं लेते थे जो हमारे बीच बॉन्ड होता था उस वजह से। वैसे ही मैंने एक बार रेखा को बोला कि आप मेरी दोस्त हो, लेकिन मैं आपको एक फिल्म में लेना चाहता हूं। आप मुझे एक अमाउंट बता दो और मैं आपको पैसे दे दूंगा और उन्होंने बताया। इसके बाद मुझे एहसास हुआ कि किसी और ने जिन्होंने उन्हें अपनी किसी फिल्म में साइन किया होगा वह उन्हें 5 लाख दे रहे हैं और ये अमाउंट उससे कम था जो उन्होंने मुझे बताया था।' रंजीत ने आगे कहा, 'मुझे पता है कि उनके घर के बाहर प्रोड्यूसर्स की लाइन होती है जो उनसे मिलने चाहते हैं। मैंने जब उन्हें स्टोरी बताई, मेरी पूरी टीम बाहर इंतजार कर रही थी क्योंकि रेखा ने सबको नहीं आने दिया था। मैंने रेखा को बोला भी, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर ही इंतजार करने दो। सिर्फ फरजाना (रेखा की मैनेजर) ही सबके मैसेज रेखा तक पहुंचाती थी। वह किसी से नहीं मिलती थीं।'

पहली फिल्म से रातोंरात स्टार बने नवीन निश्चल

पहली पत्नी ने दिया तलाक-दूसरी की वजह से गए जेल

नई दिल्ली। नवीन निश्चल ने हिंदी सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बनाई। उनका जन्म 18 मार्च 1946 को लाहौर में हुआ था। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत 1970 में फिल्म 'सावन भादो' से की थी। नवीन निश्चल का जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उन्होंने सिनेमा में शानदार योगदान दिया, तो दूसरी ओर उनकी निजी जिंदगी चर्चा का विषय बनी रही। उनका फिल्मी सफर और पर्सनल लाइफ आज भी लोगों के लिए बीच जिज्ञासा का विषय है।

नवीन का कॅरियर

नवीन निश्चल ने फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय की शिक्षा ली और वह एफटीआई के फर्स्ट गोल्ड मैडलिस्ट रहे। उनकी पहली फिल्म 'सावन भादो' थी। इस फिल्म में नवीन की

को-स्टार रेखा थीं। यह फिल्म हिट रही। इस सफलता ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद नवीन ने विक्टोरिया नंबर 203 , बुड्ढा मिल गया, धुंध, हंसते जख्म और परवाना जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। नवीन की आखिरी फिल्म खोसला का घोसला थी, जिसमें उन्होंने सहायक किरदार निभाया था।

टीवी में किया अभिनय

नवीन के करियर में कई उतार-चढ़ाव आए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सेट पर नवीन के नखरे और सह-कलाकारों और निर्माताओं के साथ तनाव की वजह से उनकी लोकप्रियता कम हुई। बाद में उन्होंने टीवी की ओर रुख किया और देख भाई देख जैसे शो में काम किया।

दो शादी और तलाक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवीन ने अपनी पहली शादी अभिनेता देव आनंद की भतीजी नीलू कपूर से की थी। इस शादी से उनकी दो बेटियां, नताशा और नोमिता हुईं। हालांकि, उनके को-स्टार पद्मिनी कपिला के साथ कथित अफेयर की खबरों के बाद नीलू ने उन्हें तलाक दे दिया। इसके बाद 1996 में नवीन ने गीतांजलि से दूसरी शादी की। यह रिश्ता भी विवादों में रहा। 2006 में गीतांजलि ने आत्महत्या कर ली और अपने सुसाइड नोट में नवीन पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। इस मामले में नवीन को जेल भी जाना पड़ा, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं, हॉलीवुड में भी थे एक जाना-पहचाना चेहरा

बाल कलाकार के रूप में कॅरियर शुरू कर फिल्मों में चमके थे शशि कपूर

नई दिल्ली। शशि कपूर अपने जमाने में बॉलीवुड के सुपरस्टार थे। अपनी अदाकारी से वह फिल्मों में जान डाल देते थे। उन्होंने देश-विदेश में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया था और इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई। जब शशि कपूर ने इस दुनिया को अलविदा कहा, तब हिंदी सिनेमा को बहुत बड़ा झटका लगा था। आज भी उनकी फिल्में और डायलॉग लोगों के दिलों में जिंदा हैं। मंगलवार को अभिनेता की 87वीं जयंती थी।

परिवार : शशि कपूर हिंदी सिनेमा के सबसे पहले और सबसे बड़े परिवार 'कपूर खानदान' की दूसरी पीढ़ी का हिस्सा थे। शशि कपूर के निधन के साथ ही पृथ्वीराज कपूर के परिवार की दूसरी पीढ़ी का अंत हो गया, क्योंकि शशि पृथ्वीराज कपूर के सबसे छोटे बेटे थे। उन्होंने मशहूर अभिनेत्री जेनिफर केंडल से शादी की। इस शादी से उन्हें तीन बच्चे कुणाल कपूर, करण कपूर और संजना कपूर पैदा हुए। कुणाल कपूर ने शीना सिप्पी से शादी की। शीना मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक रमेश सिप्पी की बेटी हैं। उन्होंने अपने बेटे का नाम सिनेमा में कपूर खानदान की नींव रखने वाले पृथ्वीराज कपूर के नाम पर रखा, जहान पृथ्वीराज कपूर है। उनकी बेटी का नाम सायरा है। शशि कपूर के दूसरे बेटे करण कपूर ने लोरना से शादी की और जाक कपूर और आलिया कपूर नाम के उनके दो बच्चे हैं। शशि कपूर की तीसरी संतान संजना कपूर ने दो शादियां कीं। पहली शादी उन्होंने निर्माता-अभिनेता आदित्य भट्टाचार्य से की। दूसरी शादी उनकी वाल्मीक थापर से हुई, इस शादी से उन्हें एक बेटा हमीर थापर है।

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर

शशि कपूर ने दीवार, कभी-कभी, नमक हलाल, सत्यम शिवम सुंदरम, शर्मीली और शान जैसी कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। शशि कपूर उन चंद बॉलीवुड अभिनेताओं में से एक थे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में सफलतापूर्वक कदम रखा। उन्होंने 12 अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में काम किया। उन्होंने मर्चेंट-आइवरी प्रोडक्शंस के साथ बड़े पैमाने पर सहयोग किया, जिसमें द हाउसहोल्डर, शेक्सपियर वाला, बॉम्बे टॉकी, हीट एंड डस्ट जैसी प्रशंसित फिल्मों में अभिनय किया। शशि कपूर की लोकप्रियता सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं थी, वे हॉलीवुड में भी एक जाना-पहचाना चेहरा थे।

कॅरियर

शशि कपूर अपने कॅरियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर द्वारा निर्देशित और निर्मित नाटकों में अभिनय किया और बाद में 1940 के दशक के अंत में शशिराज के नाम से बाल कलाकार के रूप में शुरुआत की। बाल कलाकार के रूप में उनकी सबसे प्रसिद्ध भूमिकाएं आग (1948) और आवारा (1951) में थीं, जहां उन्होंने अपने बड़े भाई राज कपूर द्वारा निभाए गए किरदारों की युवा भूमिकाएं निभाई थी।

प्रोडक्शन हाउस : *शशि कपूर ने 1970 के दशक के अंत में फिल्म वालास नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस स्थापित किया। इस बैनर के जरिए उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में बनाईं, जो कमर्शियल बॉलीवुड मसाला फिल्मों के बजाय सार्थक और ऑफबीट सिनेमा पर केंद्रित थीं। फिल्म वालास के तहत निर्मित कुछ बेहतरीन फिल्मों में जुनून, कलयुग, विजेता, 36 चौरंगी लेन और उत्सव शामिल हैं।*

उपलब्धियां : *2011 में शशि कपूर को कला-सिनेमा में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 2015 में उन्हें 2014 दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे वे पृथ्वीराज कपूर और राज कपूर के बाद भारतीय सिनेमा में सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त करने वाले अपने परिवार के तीसरे सदस्य बन गए।*

19 MARCH-JANJ PG-04_Layout 1 3/19/2025 9:42 PM Page 1

खबर संक्षेप

लीनेस क्लब सक्ती ने किया मां बेटी का सम्मान

सक्ती। आंल इंडिया लीनेस क्लब्स सेवा कार्य में अग्रणी लीनेस क्लब सक्ती ने डिसट्रिक्ट प्रोजेक्ट एक डिसट्रिक्ट एक सेवा के तहत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मां से बेटी सवाई अर्थात बेटी मां से बढ़कर है और बेटी भी एक महिला ही है। इसी के तहत सक्ती की बेटी कोमल शर्मा जिसे फिजियोथैरेपि में गोल्ड मेडल पाया। उसका सम्मान मां अनुराधा शर्मा के साथ किया। इस अवसर पर डिसट्रिक्ट एक्सक्यूटिव आफिसर डॉ शालू पाहवा, प्रशासनिक सह सचिव लीने स अनीता सिंह, पूर्व अध्यक्ष विजिया जायसवाल क्लब सचिव भगवती देवांगन, क्लब कोषाध्यक्षह पूनम साहू,रीता राज, ललिता साहु,कलेश्वरी साहू,रामकुमार साहू,मीरा देवांगन, विनिता जायसवाल, प्रभा जायसवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

घिवरा में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा 29 से

बिर्रा। बिर्रा। जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत

ग्राम पंचायत घिवरा में श्रीमद भागवत महापुराण कथा का आयोजन 29 मार्च दिन शनिवार को कलश यात्रा के साथ शुभारंभ किया जाएगा। कथा व्यास पंडित श्री कृष्णकांत महाराज श्रीधाम वृंदावन वाले होंगे। कथा का समापन 6 अप्रैल दिन रविवार को होगा। आयोजन को लेकर समस्त ग्रामवासी तैयारी में लगे हुए हैं।

चैत्र बासंती नवरात्रि 30 से की जा रही तैयारी

बिर्रा। श्री जगदम्बा भक्तानुग्रहकारिणी शरणागतवत्सला दुःखहंत्रि मणिदीपधिवासिनी पराम्बा भगवती की कृपा से ग्राम बिर्रा में मां चंडी मंदिर में विश्व-कल्याण हेतु चैत्र वासंती नवरात्रि पर्व पर 30 मार्च से 6 अप्रैल तक नवरात्रि पर्व का आयोजन किया गया है। जिसमें मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित होंगे। आचार्य पं सुरेन्द्र कुमार दुबे होंगे। मंगल ज्वारा और ज्योति कलश हेतु घृत ज्योति 1551 रुपए, तेल ज्योति 751 रुपए और मंगल ज्वारा 251 रूपए के साथ रसीद प्राप्त कर सकते हैं। नवरात्रि पर्व को लेकर जय मां चंडी विकास समीति बिर्रा एवं समस्त ग्रामवासी जुटे हुए हैं।

निःसंतान दंपतियों के लिए निशुल्क जांच एवं परामर्श ओपीडी 23 को

बिर्रा। अपेक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवम् आईवीएफ सेंटर रायगढ़ द्वारा आयोजित देव पब्लिक स्कूल बसंतपुर - बिर्रा में 23 मार्च रविवार को सुबह 10 बजे से निः संतान दंपतियों के लिए निः शुल्क जांच एवम् परामर्श ओपीडी का आयोजन रखा गया है। जिसमे इनफर्टिलिटी विशेषज्ञ डॉ रश्मि गोयल निःशुल्क जांच एवम् परमर्श हेतु उपलब्ध रहेंगी। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत देव पब्लिक स्कूल बसंतपुर बिर्रा में 23 मार्च दिन रविवार को सुबह 10:00 से अपेक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं आईवीएफ सेंटर रायगढ़ द्वारा आयोजित निःसंतान दंपतियों के लिए निशुल्क जांच एवं परामर्श ओपीडी का आयोजन रखा गया है। डॉ रश्मि गोयल एमबीबीएस ने बताया कि आज के इस आधुनिक युग में तनाव और प्रदूषण की वजह से बांझपन की समस्या बहुत कॉमन होती जा रही है। शादीशुदा कपल जब तक इसके इलाज के लिए अपने आप को तैयार कर पाते है। तब तक उनकी उम्र ज़्यादा हो जाती है। इस शिविर का उद्देश्य लोगो में निःसंतानता के लिये जागरूकता लाना है, जिससे की लोग सही समय में इस समस्या का इलाज ज्यादा से ज्यादा करा सके। इस कैम्प का उद्देश्य समाज की सोच में बदलाव लाना भी है। क्योंकि अभी भी कई परिवार इस समस्या को एक अभिशाप मानते है और औरत को ही दोषी मानते है। अपेक्स हॉस्पिटल रायगढ़ के द्वारा इसके पूर्व में भी ऐसे शिविर का आयोजन किया जा चुका है तथा निःसंतानता के इलाज की सभी एडवांस तकनीक को रायगढ़ शहर में उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहता है। अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार इस शिविर में निःशुल्क वीर्य जॉच एवम्-निःशुल्क सलाह एवं अन्य सभी जाँच में विशेष रियायत दी जाएगी।

निधन

गुरबारी बाई चौहान

बिर्रा। आदर्श ग्राम गतवा की प्रतिष्ठित महिला

गुरबारी बाई चौहान का विगत दिवस निधन हो गया। वे वह 83 वर्ष की थी। वे अपने पीछे पूरा परिवार को छोड़कर चली गई। स्थानीय मुक्तिधाम में उसका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में स्वजातीय बंधुओं के अलावा ग्रामवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

जगदीश प्रसाद केशरवानी

नवागढ़। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक अश्विनी केशवानी के पिताजी एवं गोविंद कलेक्शन के संचालक गोविंद केशरवानी के दादा जगदीश प्रसाद केशरवानी का गत दिवस निधन हो गया। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र अश्विनी केशरवानी ने दी। उनकी अंतिम यात्रा में नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

किसानों के माथे पर खींची चिंता की लकीरे, प्रशासन बेपरवाह

खेतों तक नहीं पहुंच रही नहर की धार मुरझाने लगी हजारों एकड़ में लगी फसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

कृषि प्रधान जांजगीर चांपा जिले में ग्रीष्मकालीन फसल लगाने वाले किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच गई है। दरअसल होली त्यौहार के पूर्व से कम हुई नहर की धार अभी तक तरीके से नहीं बढ़ाई जा रही है। ऐसे में ना केवल दुरस्थ एरिया बल्कि मुख्य शाखा नहर के आसपास लगी फसलों तक नहर की धार नहीं पहुंच रही है। ऐसे में हजारों एकड़ में लगी फसल मुरझाने लगी है।

गौरतलब है कि हसदेव बांगो नहर से 90 फीसदी से अधिक सिंचित जांजगीर चांपा जिले में गर्मी में भी फसल लहलहाती है। नहर की धार छूटते ही यहां के मेहनतकश किसान अपने खेतों में रबी फसल लगाते है। इसको लेकरनन जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में इस बार भी 30 अप्रैल तक पर्याप्त पानी देने का निर्णय लिया गया था। जिसके बाद हसदेव बांगो नहर के दांयी और बांयी दोनों शाखा से सिंचित लगभग 50 हजार एकड़ में किसानों ने ग्रीष्मकालीन फसल लगाई है। इधर बीते दिनों होली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा नहर की धार कम करा दी गई। जिसे आज तक समुचित तरीके से नहीं बढ़ाया गया है। ऐसे में इस गर्मी में हो रही पानी की किल्लत से किसानों की हजारों एकड़ में लगी फसल मुरझाने लगी है। जिले के नवागढ़ ब्लाक के तुलसी, मिस्दा, बर्रा, भठली, उदयभांठा, बरगांव, पिपरा, खैरताल, नेगुरडीह क्षेत्र की वितरक शाखा में नहर की धार अत्यंत कम हो गई है। स्थिति यह है कि नहर से लगे खेतों में भी सिंचाई की समस्या हो रही और इस गर्मी में हरी भरी फसलें मुरझाने के कगार पर है। क्षेत्र के किसानों के मुताबिक होली त्यौहार के चार पांच दिन पहले से ही उनके क्षेत्र में नहर की धार कम हो गई थी। तकरीबन सप्ताह भर से जिस तरह से खेतों में पानी की कमी बनी हुई है, ऐसे में हजारों एकड़ की ~~फसल मुरझाने लगी है।~~

धीरे धीरे पहुंचेगा

त्यौहार में एक दिन के लिए नहर बंद हुआ था। इसके बाद नहर में पानी दिया जा रहा है। नहर की धार छोड़ दी गई है। खेतों तक धीरे धीरे पानी पहुंचेगा।

-शशांक सिंह,
ईई
सिंचाई विभाग जांजगीर

उनका कहना था कि ग्रीष्मकालीन फसल के लिए हजारों रुपए खर्चा कर चुके है, अब यदि पानी की कमी होती है उनकी पूरी मेहनत और खर्चा व्यर्थ हो जाएगा।

किसान आक्रोशित

होली त्यौहार को लेकर नहर बंद किया गया था, लेकिन इसकी पूर्व सूचना किसानों को नहीं मिली थी। त्यौहार भी निकल गया, लेकिन नहर की धार नहीं बढ़ी है। विभागीय अधिकारियों के साथ जिला प्रशासन को भी अवगत कराए है। शीघ्र नहर की धार नहीं बढ़ेगी तो किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

-राजशेखर सिंह,
जिला संयोजक
कृषक चेतना मंच

विधायक ने किसानों के खेतों में अविलंब पानी दिए जाने की मांग

अकलतरा। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के द्वारा जल संसाधन विभाग द्वारा एक सप्ताह से नहर का पानी रोक दिए जाने के चलते क्षेत्र के किसानों के खेतों में पड़ रही दरारों की जानकारी विधानसभा सत्र के शून्य काल में देते हुए शासन से अविलंब नहरों में पानी छोड़ने एवं जिन किसानों का नुकसान हुआ है उनका सर्वे कराकर मुआवजा प्रदान करने की मांग की गई है। शून्य काल के दौरान विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने सदन को बताया कि जांजगीर-चाम्पा जिले के किसानों को रबी की फसल में धान की खेती हेतु नहरों मे पानी दी गई है। जिले के लगभग सभी किसानों ने धान की फसल लगाई हुई है। 10 मार्च को कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग-जांजगीर द्वारा 12 मार्च से 18 मार्च तक तक नहरों में होली के कारण पानी को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। भीषण गर्मी में फसलों को प्रतिदिन पानी की आवश्यकता होती है। 8 दिनों तक नहरों में पानी नही दिए जाने से अकलतरी एवं अर्जुनी सहित विधानसभा क्षेत्र के कई गांव में किसानों के फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। खेतों में दरारें तक पड़ गई है।

अनिश्चितकालीन आंदोलन पर बैठे पंचायत सचिव, काम ठप

एक सूत्रीय मांग को लेकर कर रहे प्रदर्शन

अनिश्चितनकालीन आंदोलन पर बैठे पंचायत सचिव।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मालखरौदा

शासकीयकरण की मांग को लेकर ब्लाक के पंचायत सचिव आंदोलन पर चले गए है। जिसके चलते ग्राम पंचायतों में कामकाज प्रभावित हो रहा है।

विदित हो कि 23- 24 के चुनाव में भाजपा ने घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी कह कर सचिवो को शासकियकरण किए जाने का बात लिखा था। बावजूद आज तक उन्हें शासकीय करण नहीं किया गया है ऐसे में पूरे छत्तीसगढ़ के सचिव ने 146 ब्लॉक मुख्यालय में अपने एक सूत्री मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। इसी के तहत मालखरौदा जनपद पंचायत के सामने क्षेत्र के सचिव भी धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं नए सरपंच बने हैं जिन्हें अभी इन सचिवो के चलते ग्राम पंचायत का प्रभार नहीं मिल पा रहा है तो प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत आवास योजना से वंचित ग्रामीणों का सर्वे किए जाने का आईडी इन साथियों को दिया गया है इससे छत्तीसगढ़ के नये आवास योजना के हितग्राही छूट न जाए इसको लेकर संशय बना हुआ है क्योंकि केंद्र सरकार ने 30 मार्च तक ऑनलाइन सर्वे रिपोर्ट भेजने को कहा है इसके अलावा गांव-गांव में पेयजल के लिए समस्या खड़ा हो गया है। अब देखने वाली बात होगी कि राज्य सरकार सचिवो के मांग पर कब तक अमल करती है और सचिव कब तक अपना हड़ताल खत्म करते हैं। इधर पंचायत सचिव के हड़ताल पर चले जाने के कारण मालखरौदा ब्लाक में ग्राम पंचायतों में कामकाज पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

विधायक ने विधानसभा में उठाया सायबर टीम द्वारा अवैध वसूली का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ चांपा

चांपा में साइबर टीम द्वारा सट्टा के मामले में अवैध वसूली और जबरन दबाव बनाने के गंभीर आरोपों को लेकर विधानसभा में क्षेत्रीय विधायक ब्यास कश्यप ने बड़ा सवाल खड़ा किया। विधायक ने गृहमंत्री विजय शर्मा से इस पूरे मामले पर जवाब मांगा और कहा कि साइबर टीम द्वारा सट्टा के नाम पर वसूली का खेल खुलेआम चल रहा है।

विधायक ब्यास कश्यप ने अपने प्रश्न में बताया कि साइबर टीम ने एक युवक को उसके घर से उठाकर 4 लाख 30 हजार रुपये जब्त किए थे, लेकिन मामला केवल 1 लाख रुपये का बताया गया। इसके अलावा, घटना स्थल को भी गलत स्थान बताया गया, जबकि सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि युवक को उसके घर से ले जाया गया था और रकम भी घर से बरामद हुई थी।विधायक ने आरोप लगाया कि साइबर टीम ने युवक के साथ मारपीट कर किसी अन्य व्यक्ति का नाम लेने के लिए दबाव डाला। इतना ही नहीं, युवक के बड़े भाई के पास जाकर अवैध वसूली करने के भी आरोप लगे हैं। विधायक ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से जिले में पुलिस की छवि धूमिल हो रही है और जनता का पुलिस पर से भरोसा उठ रहा है।इस मामले में पीड़ित युवक की महिला परिजन ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। महिला की शिकायत पर चांपा एसडीओपी को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, लेकिन जांच की रफ्तार इतनी धीमी है कि इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस के अधिकारियों को बचाने के लिए जांच को जानबूझकर धीमा किया जा रहा है और मामले को ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी हो रही है।अब इस मामले को विधानसभा में उठाए जाने के बाद पूरे जिले में हलचल मच गई है। लोगों को गृहमंत्री विजय शर्मा से उम्मीद है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। विधायक ब्यास कश्यप के सवाल के बाद अब देखना होगा कि सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है।

कॉलेज में व्यक्तित्व विकास व रोजगार निर्माण पर एक दिवसीय वेबीनार

खरौद। शासकीय लक्ष्मणेश्वर स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय ख रौ द में व्यक्तित्व विकास एवं रोजगार निर्माण विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय बेबीनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी. सी. भारद्वाज की अध्यक्षता एवं क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा बिलासपुर संभाग की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई छत्तीसगढ़ के इसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रोहित कुमार मिरी और डॉ. आर. जी. ब्रजेश मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रारम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.जी. सी. भारद्वाज के स्वागत भाषण और कार्यक्रम के उद्देश्य के पश्चात डॉ. रोहित कुमार मिरी ने शिक्षा और रोजगार के बीच सेतु निर्माण विषय पर अपनी महत्वपूर्ण ब्याख्यान्न दिया। उन्होंने छोटे छोटे देश ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, सिंगापुर, फिनलैंड और निदरलैंड जैसे देशों के विकास में स्कील डेवलपमेंट की बात कही। दूसरे वक्ता डॉ. आर. जी. ब्रजेश ने शिक्षा जगत में अनुसन्धान और नवाचार की भूमिका पर अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि पहले लोग खाने के लिए चिंतित थे, आज विज्ञान का युग है। मुख्य अभ्यागत डॉ. प्रवीन पाण्डेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल विकास को प्रश्रय देने की बात करते हुए भारत की प्रतिष्ठित ज्ञान परंपरा से सीख और सबक लेने की बात करते हुए तक्षशिला और नालंदा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

कानाकोट में ग्रामीण स्तरीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता 25 से

फगुरम। ग्राम कानाकोट में 25 मार्च से ग्रामीण स्तरीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ होने जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निमोही सरपंच पारस गबेल, पूर्व सरपंच तरुणदास महंत श्रीमती सरोज दुष्यंत डनसेना, जिला पंचायत सदस्य संजय कृष्णा जायसवाल सरपंच उच्चपिंडा, पंचायत सचिव सम्पत लाल बंजारे राजू महंत देवरघटा एवं विशिष्ट अतिथि संजय डनसेना, राजू डनसेना, अमृत डनसेना दादू डनसेना, दिनबंधु वैष्णव उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता को 31,111 रुपए , द्वितीय विजेता को 17,017 रूपये, तृतीय विजेता को 10,111 रुपये व चतुर्थ विजेता टीम को 7001रुपए दिया जाएगा। वहीं मैन ऑफ द सिरीज के रूप रेंजर सायकल और मैन ऑफ द मैच फाईनल मैच में 1501 रुपये दिया जाएगा।

मृत्यु को मंगलमय बनाने वाली कथा है श्रीमद् भागवत : देवकृष्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिर्रा

जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत जय मां चंडी की ग्राम बिर्रा केरा रोड में कृपालु ज्वेलर्स के पास कश्यप परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस व्यासपीठ आचार्य पं देव कृष्ण महराज ने भगवान जन्मोत्सव पश्चात भगवान के बाल लीला का विस्तार से वर्णन किया।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण की कृषणमयी लीलाओं का वर्णन है। उन्होंने सर्वप्रथम अपनी लीला में पूतना राक्षसी का वध नहीं बल्कि उद्धार किया। इस तरह श्रीमद् भागवत कथा मृत्यु को मंगलमय बनाने वाली कथा है। उन्होंने बाल लीला में कालिया मर्दन, माखन चोरी और गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग का जीवंत झांकी से वर्णन किया। आज की कथा में कंस उद्धार और रूख्मणी मंगल विवाहोत्सव की कथा सुनाई और बड़े ही धूमधाम से घराती बराती बनकर विवाहोत्सव मनाया गया। कथा में भगवान प्रसाद कश्यप, देवचंद कश्यप, पितांबर कश्यप, राजेश कश्यप, घनश्याम कश्यप जीवन, निलाम्बर सिंह, गिरजा कुमार दुबे, सम्मेलाल यादव, पप्पू भांचा, संतोष सोनी, सुरेश कुमार, रामकृष्ण, उमेश कुमार, राजकमल, राजू, पंचराम कश्यप, शत्रुघन कश्यप,भोला साहू, तेजराम कश्यप,उदे कश्यप नरोत्तम साहू, शशिभूषण सहित आयोजक परिवार के सदस्यगण उपस्थित थे।

तौलीपाली के ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा नल जल योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ फगुरम

प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना नल जल योजना के तहत घर घर में नल बनाकर पानी पहुंच जाना है, जिससे लोगों को पानी की समस्या से निजात मिल सके। इस योजना से क्षेत्र के कुछ लोगों को लाभ मिला तो वहीं अधिकांश ग्रामवासी इसके लाभ से वंचित है।

मालखरौदा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम तौलीपाली सहित कई ग्राम इसका जीता जागता उदाहरण है, यहां लोगो को अब तक नल जल योजना का लाभ नहीं मिला हैं। इस गांव में करोड़ों रुपए खर्च कर के पानी टंकी तो बनाई गई है, पर गांव में ना तो अब तक पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा किया गया है

शोपीस साबित हो रहा पानी टंकी।

और ना ही पानी टंकी में पानी भरने की व्यवस्था की गई है। केवल दिखाए के लिए पानी टंकी का निर्माण कर दिया गया है। ग्राम तौलीपाली में पानी टंकी का निर्माण हुए लगभग 2 साल से भी अधिक समय हो चुका है, लेकिन अब ग्रामवासियों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है, जिस वजह ग्रामवासियों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गांव में बना करोड़ों रुपए पानी टंकी केवल सफेद हाथी साबित हो रहा है। क्षेत्र वासियों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम तौलीपाली की ही तरह क्षेत्र के अधिकांश गांव ऐसे हैं, जहां नल जल योजना का काम अब तक अधूरा है। ग्राम वासियों का कहना है कि गांव में पेयजल की भारी समस्या है, गर्मी शुरू होते ही तालाबों का पानी तेजी से सूखने लगा है, जलस्तर तेजी से नीचे चला जाता है, जिस वजह से हैंड पंप, बोरवेल में पानी कम निकलता है। पानी टंकी बने हुए 2 साल से भी अधिक का समय हो जाने के बाद भी नल जल योजना का काम पूरा नहीं किया गया है, ना तो गांव में पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूरा गया किया गया है और ना ही पानी टंकी में पानी भरने के लिए बोरवेल की व्यवस्था की गई है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से गांव में नल जल योजना का काम जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की है।

पंचायत की पहल पर साफ सफाई पर दिया जा रहा विशेष जोर

तालाब की जलकुंभी निकालने में महिलाओं ने किया श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ तुस्मा

तालाब की साफ सफाई करती महिलाएं।

ग्राम के डोंगिया तालाब विगत लंबे समय से जलकुंभी और अनेकों घास से अटा पड़ा था। जिसको पंचायत की पहल से सफाई करवाया जा रहा है। खास बात यह है कि सफाई के बाद जलकुंभी सफाया के लिए मैग्नेटो गोल्ड और किलहर्ब दवाई का छिड़काव किया किया गया है।

ज्ञात हो कि ग्राम की करीब दो दर्जन से भी अधिक महिलाएं तालाब की जलकुंभी को बाहर निकालने में अपनी श्रम दान कर नेक कार्य कर रही है। ऐसे में पंचायत की तो प्रशंसा हो रही है, साथ ही महिलाओं की साहस और उनकी अच्छी सोच को लेकर भी काफी प्रशंसा हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले बार महिलाओं की इस अनोखी पहल की जितनी तारीफ किया जाएं, वह उतना ही कम है महिलाओं की ऐसी सोच विचार निश्चित ही ग्राम की सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका अदा करेगी। साथ ही ग्राम तुस्मा सरपंच सुष्मिता तरुण साहू द्वारा स्वयं भी अपनी श्रम दान करके लोगों को यह संदेश दे रही है कि अपने गांव और आस पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखे और लोगों को इससे जागरूक करे। सरपंच सुष्मिता तरुण साहू ने बताया कि ग्राम के एक मात्र देवतहा तालाब डोंगिया तालाब जो विगत लंबे समय से जलकुंभी से अटा पड़ा हुआ है। साथ पूरा तालाब पूरी गंदगी से सराबोर हो गई है जिसकी वजह से लोगो को निस्तारी करने में काफी समस्या आ रही है। जिसको पंचायत और ग्रामीणों की सहयोग से सफाई अभियान चला कर तालाब की जलकुंभी और अनेकों हरे घास को तालाब से बाहर निकाला जा रहा है, जिससे तालाब की सफाई हो सके और ग्रामीण जन सुव्यवस्थित ढंग से निस्तारी कर सके। साथ ही तालाब की अनेकों घास ऐसे भी है जिनको दवाई छिड़काव कर पूरे जड़ से खत्म कर तालाब को एक नए रूप देंगे। जिससे ग्रामीणों को निस्तारी करने में कोई समस्या न हो। सबसे खास बात यह भी है कि तालाब में डोंगी के सहारे दवाई का भी छिड़काव किया जा रहा है। करीब तालाब मे बैटरी चलित स्पीयर के सहारे 60 से भी अधिक स्पीयर दवाई का छिड़काव किया गया है। तालाब की जलकुंभी को साफ करने के लिए सफाया नामक दवाई के रूप में मैग्नेटो गोल्ड और किलहर्ब नामक दवाई छिड़के गए है।